AH-1425-CV-19-S

M.A. (FINAL) HINDI

Term End Examination, 2019-20

CHHATTISGARHI BHASHA AUR SAHITYA

Time : Three Hours] **[Maximum Marks : 100**

नोट : दोनो खण्डों से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित है।
Note : Answer from both the section as directed. The figures in the right-hand margin indicate marks.

1. निम्निलिखित में से किन्ही तीन पद्ययांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः— **10*3=30**

(क) खरिखा में लरिका लिये, देखेंव नन्द किसोर।
चरखा सरिखा तमिचले, गिंजरत हौं मन मोर।।
कोनो जतन लगाय के, देते स्याम मिलाये।
धोकर–धोकर के रात दिन, परतेंव तोरेच पांय।

(ख) जेहर पर को प्रान बचाथे।
तेकर से इसवर सुख पाथे।।
बुघमंता मन सिरतो कहथें।
बनिजेच मां लछिमी जी बसथें।।
मनखे मनखे होथे अंतर।
कोनो हीरा कोनो कंकर।।
दुनों दीन ले बिन सिन पांडे।
दू कौरा जाथे जब भीतर।
तभे सूझथे देवता–पीतर।।

(ग) चलिस मंडलिन धान लुआये, सुरूज किरन के छांव म।
कान म खिनवा, गर म सुतुआ, हरपा पहिरे पांव म।।
संग म कमिया चोंगी पियत, सूर लभाये खांघ म।
हंसिया खोचें गात कमैलिन, सेंदुर बुके मांग म।।

(घ) हमर देस के, अन ला, जनला, धनला जम्मो लूटिन।
परदे सियन के लडवाए ले, भाई से माई छूटिन।।
देस ला करके निचर निहत्था, उल्टा मारंय सेखी।
बोहे गुलामी करत रहेन हम, उंखरे देखा देखी।
तंय आंखी ला हमर उद्यारे, जम्मो पोल बताए।
गांधी देवता बनके आए।।

(ड) दुलहा हर तो दुलही पाइस, बाम्हन पाइस हक्का।
सबै बराती बरा सोंहारी, समधी धक्कम धक्का।।
नाऊ बजनियां दोऊ झगरै, नेग चुका दा पक्का।
पास म एको कौडी नइये, मसधी हक्का बक्का।।

(च) सुरता ला चन्दन अस धोरत हौं।
सपना ला बेर–बेर अगोरत हौं।।
चांदनी रतिहा ल
दुह डारें व
ओरवांती अस
आंसू चुह डारें व
सुख–दुख ला बीनत, पछोरत हौं।
सुरता ला चंदन अस घोरत हौं।।

2. छत्तीसगढी भाषा की विकास यात्रा पर एक निबंध लिखिये। 15

अथवा

छत्तीसगढी कविता की विकास यात्रा पर एक निबंध लिखिये।

अथवा

छत्तीसगढ के नामकरण की सार्थकता को स्पष्ट कीजिये।

3. छत्तीसगढी काव्य के विकास में प्यारेलाल गुप्त के अवदान को उनके काव्य के संदर्भ में रेखांकित कीजिये। 15

अथवा

पंडित द्वारिका प्रासद विप्र के "गांधी–देवता" "धमनी–हॉट", और "धन धन रे मोर किसान" के वैशिष्ट्य को निरूपित कीजिये।

4. निम्न लिखित लघुउत्तरीय प्रश्नों में से किसी चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। 5*4=20

(क) लक्ष्मन मस्तुरिहा का रचना–संसार।
(ख) कुंज बिहारी चौबे का साहित्यिक अपदान।
(घ) छत्तीसगढी साहित्य और गोपाल मिप्र।
(ड) छत्तीसगढी साहित्य और डॉ. विनय पाठक।
(च) डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा और छत्तीसगढी को उनका प्रदेय।
(छ) पवन दीवान और उनकी छत्तीसगढी रचनाएँ।
(ज) छत्तीसगढी गद्य साहित्य का उदभव और विकास।

5. निन्मलिखित प्रश्नों में से किन्हीं बीस प्रश्नों के उत्तर दीजिये। 1*20=20

(क) छत्तीसगढ का पौरानिक नाम क्या था ?
(ख) महाभारतकाल में अर्जुन और चित्रागंदा से उत्पन्न वीर का नाम क्या था।
(ग) बभुवाहन किस देश का राजा था।
(घ) महानदी के तट पर स्थित सिरपुर का पौराणिकनाम क्या था।
(ड) मयूरध्वज राजा किस स्थान पर शासन किया करते थे।
(च) सन् 1546 में रतनपुर के राजा कौन थे, उनका नाम लिखिये।
(छ) पं. गोपालचंद मिश्र ने अपने ग्रंथ में किस राजा के नाम का उल्लेख किया है।
(ज) छत्तीसगढी का प्रारंभिक लिखित रूप किस स्थान के शिलालेख को माना गया है।
(झ) छत्तीसगढी किस भाषा की दुहिता मानी गई है।
(ञ) सन् 1961 की जनगणना के अनुसार छत्तीसगढी की कितनी उपबोलियां निर्धारित की गई थी।
(ट) डॉ. ग्रियर्सन ने भाषा सर्वेक्षण में छत्तीसगढी के कितनी उपबोलियों का उल्लेख किया है।
(ठ) "चलौ चलौ हंसा अमर लोक जइबों" गीत में किस कवि का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है।
(ड) "पाटी–पारे मांग संवारे हंसिया खोंचे कमर मां" किस की रचना है।
(ढ) पं. द्वारिका प्रसाद विप्र का जन्म कहॉ हुआ था।
(ण) लक्ष्मण मस्तुरिहा का पैतृक गांव का नाम लिखिये।
(त) छत्तीसगढ का गांधी किस कवि को कहा जाता है।
(थ) "हमर कतका सुन्दर गांव" के रचनाकार का नाम लिखिये।
(द) "सुरता के चन्दन" किसकी रचना है।
(ध) "माटी कहे कुम्हार से" किसकी रचना है।
(न) सन्तधर्मदास के गुरू का नाम क्या है।
(प) छत्तीसगढी भाषा की सहोदर भाषाएं कौन सी है।
(फ) कालिदास के मेघदूत की छत्तीसगढी में अनुवाद किसने किया है।
(ब) पंथी गीत में किस संत का गुणगान किया जाता है।
(भ) छत्तीसगढी के प्रथम कवि का नाम क्या है।
(म) छत्तीसगढी साहित्य और डॉ. विनय पाठक।
(य) छत्तीसगढी के प्रथम व्याकरण लेखक कौन है।
(र) ददरिया गीत की कोई दो पंक्ति लिखिये।
(ल) सुआ गीत की कोई दो पंक्ति लिखिये।
(व) जशगीत की कोई दो पंक्ति लिखिये।
(श) डंडा गीत की कोई दो पंक्ति लिखिये।
(ष) 'गांव मां फूल घलो गोठियाथै' किसकी रचना है।